राष्ट्रीय फैशन टैक्नालॉजी संस्थान, कांगड़ा

"चंपारण आंदोलन की शताब्दी"

दिनांक 16 से 21 अप्रेल 2017

कार्यवाही रिपोर्ट

भारत की जंगे-आजादी के इतिहास में **चंपारण सत्याग्रह** को मील का पत्थर माना जाता है। इसी आंदोलन की वजह से देशवासियों ने मोहनदास करमचंद गांधी को 'महात्मा' के तौर पर पहचाना। गांधी ने यहीं से अहिंसा को एक कामयाब विचार के रूप में रोपा वैसे तो इतिहास की हर घटना की शताब्दी आती है और उसे सौ साल पुराना बना कर चली जाती है। हम भी इतिहास को बीते समय और गुजरे लोगों का दस्तावेज भर मानते हैं। लेकिन इतिहास बीतता नहीं है, नए रूप और संदर्भ में बार-बार लौटता है और हमें मजबूर करता है कि हम अपनी आंखें खोलें और अपने परिवेश को पहचानें! इतिहास के कुछ पन्ने ऐसे होते हैं कि वे जब भी आपको या आप उनको छूते-खोलते हैं तो आपको कुछ नया बना कर जाते हैं। इसे पारस-स्पर्श कहते हैं। इतिहास का पारस-स्पर्श! चंपारण का गांधी-अध्याय ऐसा ही पारस है! इस पारस के स्पर्श से ही गांधी को वह मिला और वे वह बने जिसकी खोज थी उन्हें, यानी इतिहास ने जिसके लिए उन्हें गढ़ा था। और वह गांधी का स्पर्श ही था कि जिसने अहिल्या जैसे पाषाणवत् चंपारण को धधकता शोला बना दिया था। यह सब क्या था और कैसे हुआ था?

मोहनदास करमचंद गांधी ने 1917 में संचालित चंपारण सत्याग्रह न सिर्फ भारतीय इतिहास बल्कि विश्व इतिहास की एक ऐसी घटना है, जिसने ब्रिटिश साम्राज्यवाद को खुली चुनौती दी थी। वे 10 अप्रैल, 1917 को जब बिहार आए तो उनका एक मात्र मकसद चंपारण के किसानों की समस्याओं को समझना, उसका निदान और नील के धब्बों को मिटाना था। एक स्थानीय पीड़ित किसान राजकुमार शुक्ल कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन (1916) में अंग्रेजों द्वारा जबरन नील की खेती कराई जाने के संदर्भ में शिकायत की थी। शुक्ल का आग्रह था कि गांधीजी इस आंदोलन का नेतृत्व करें। गांधीजी ने इस समस्या को न सिर्फ गंभीरतापूर्वक समझा, बल्कि इस दिशा में आगे बढ़े।

गांधी ने 15 अप्रैल, 1917 को मोतिहारी पहुंचकर 2900 गांवों के तेरह हजार किसानों की स्थिति का जायजा लिया। 1916 में लगभग 21,900 एकड़ जमीन पर आसामीवार, जिरात, तीनकठिया आदि प्रथा लागू थी। चंपारण के किसानों से मड़वन, फगुआही, दषहरी, सट्टा, सिंगराहट, धोड़ावन, लटियावन, शरहवेशी, दस्तूरी, तवान, खुश्की समेत करीब छियालीस प्रकार के 'अवैध कर' वसूले जाते थे। कर वसूली की विधि भी बर्बर और अमानवीय थी। नील की खेती से भूमि बंजर होने का एक अलग भय था।

निलहों के विरुद्ध राजकुमार शुक्ल 1914 से ही आंदोलन चला रहे थे। लेकिन 1917 में गांधीजी के सशक्त हस्तक्षेप ने इसे व्यापक जन आंदोलन बनाया। आंदोलन की अनूठी प्रवृत्ति के कारण इसे राष्ट्रीय बनाने में गांधीजी सफल रहे। 1867 में पंडौल का नील आंदोलन क्षेत्रीय था, जबकि 1908 का आंदोलन राज्य स्तरीय। गांधी के संगठित नेतृत्व ने चंपारण के किसानों के भीतर जबर्दस्त आत्मविष्वास और सफलता का संचार किया। ब्रिटिश सरकार ने गांधी के इस पहल को विफल बनाने के लिए धारा-144 के तहत सार्वजनिक शांति भंग करने का नोटिस भी भेजा। लेकिन

गांधीजी इससे तनिक भी विचलित नहीं हुए। गांधीजी के शांतिपूर्ण प्रयास का अनुचित ढंग से दमन करना ब्रिटिष सरकार के लिए भी कठिन सिद्ध हो रहा था। उधर, गांधीजी की लोकप्रियता निरंतर बढ़ती चली जा रही थी। तत्कालीन समाचार पत्रों ने चंपारण में गांधीजी की सफलता को काफी प्रमुखता से प्रकाशित किया। निलहे बौखला उठे। गांधीजी को फंसाने के लिए तुरकौलिया के ओल्हा फैक्टरी में आग लगा दी गई। लेकिन गांधीजी इससे प्रभावित नहीं हुए।

बाध्यता के कारण बिहार के तत्कालीन डिप्टी गर्वनर एडवर्ड गेट ने गांधीजी को वार्ता के लिए बुलाया। किसानों की समस्याओं की जांच के लिए 'चंपारण एग्रेरियन कमेटी' बनाई गई। सरकार ने गांधीजी को भी इस समिति का सदस्य बनाया। इस समिति की अनुशंसाओं के आधार पर तीनकठिया व्यवस्था की समाप्ति कर दी गई। किसानों के लगान में कमी लाई गई और उन्हें क्षतिपूर्ति का धन भी मिला। हालांकि, किसानों की समस्याओं के निवारण के लिए ये उपाय काफी न थे। फिर भी पहली बार शांतिपूर्ण जनविरोध के माध्यम से सरकार को सीमित मांगों को स्वीकार करने पर सहमत कर लेना एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि थी। सत्याग्रह का भारत के राष्ट्रीय स्तर पर यह पहला प्रयोग इस लिहाज से काफी सफल रहा। इसके बाद नील की खेती जमींदारों के लिए लाभदायक नहीं रही और शीघ्र ही चंपारण से नील कोठियों के मालिकों का पलायन प्रारंभ हो गया।

जमींदार के लाभ के लिए नील की खेती करने वाले किसान अब अपने जमीन के मालिक बने। गांधीजी ने भारत में सत्याग्रह की पहली विजय का शंख फूँका। चम्पारन ही भारत में सत्याग्रह की जन्म स्थली बना।

चंपारन आंदोलन मे गांधी जी के कुशल नेतृत्व से प्रभावित होकर रवीन्द्रनाथ टैगोर ने उन्हें महात्मा के नाम से संबोधित किया। तभी से लोग उन्हें महात्मा गांधी कहने लगे।

निफ्ट कांगडा मे भी कई प्रकार के कार्यक्रमों को आयोजि किया गया । कार्यक्रमों का विवरण आगे के पृष्ठों पर दिया गया है।कार्यक्रम के आयोजन का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार से है

S. No	Event Date	Time	Particular	Event Incharge	Event Venue
1	16th April 2017	11:00 AM Onwards	Inauguration & Poster Presentation on Champaran Centenary Celebration	Dr. Deepak Joshi Mr. Pradeep Mandal	Wing C / RC 2
			A workshop on Indigo Surface embellishment on Leather by Crafstman Mr.Banwari Lal (Jaipur) Full Day)	Mr. Sandeep Sachan	M1 Block
2	17th April 2017	Full Day	A workshop on Indigo Surface embellishment on Leather by Crafstman Mr.Banwari Lal (Jaipur).	Mr. Sandeep Sachan	M1 Block
3	18th April 2017	11:00 AM Onwards	Exhibition on Leather product inspired by Indigo	Mr. Sandeep Sachan	M1 Block

4	19th April 2017	10.00 am - 11.30 am	The plan for Indigo talk & workshop:"Indigo talk" conducted by Dr. Anjali Sood, Assistant Professor	Mr. Saurabh Garg	M2 Block
		4:00 PM onwards	"Street Play" and "Theatrical Dance Performance on Champaran Satyagrah"	Dr. Deepak Joshi Mr. Kamaljeet Singh	Volly Ball Ground
5	20th April 2017	Full Day	Workshop on Indigo & natural dyes"	Mr. Saurabh Garg	M2 Block
		5:00 PM	a) Presentation on Indigo Fashion and Trends. b) A Fashion Parade on Garments inspired by Indigo"	Ms. Lavdeep Singh	Wing C
6	21st April 2017	Full Day	Workshop on Indigo & natural dyes"	Mr. Saurabh Garg	M2 Block
		5:00 PM onwards	a) Style Walk "Reinventing Indigo" b) Valedictory & Street Play on Champaran Satyagrah"	Ms. Apla Dr. Deepak Joshi Mr. Saurabh Chaturvedi	Wing C

Note:

1. Mr.Deepak Joshi will coordinate all the event with the concern faculty
2. Mr. Gulsher will support all above activity arrangements.
3. Concern Dept. assistant and MTS will assist the event..

1. Inauguration & Poster Presentation on Champaran Centenary Celebration dated 16.04.2017 :

थ्दनांक 16.4.2017 को चंपारण शताब्दी का उद्घाटन किया गया तथा इस अवसर पर गांधी जी से सम्बंधित कई प्रकार के हिन्दी व अंग्रेजी में पोस्टर बनाए गए जिन्हे छपाई करवाकर कक्षाओं में लगाया गया।जिन पोस्टर की छपाई करवाई गई उनकी कुछ तसवीरे नीचे दी गई है

चित्र संख्या 01: छपाई करवाए गए पोस्टर का चित्र

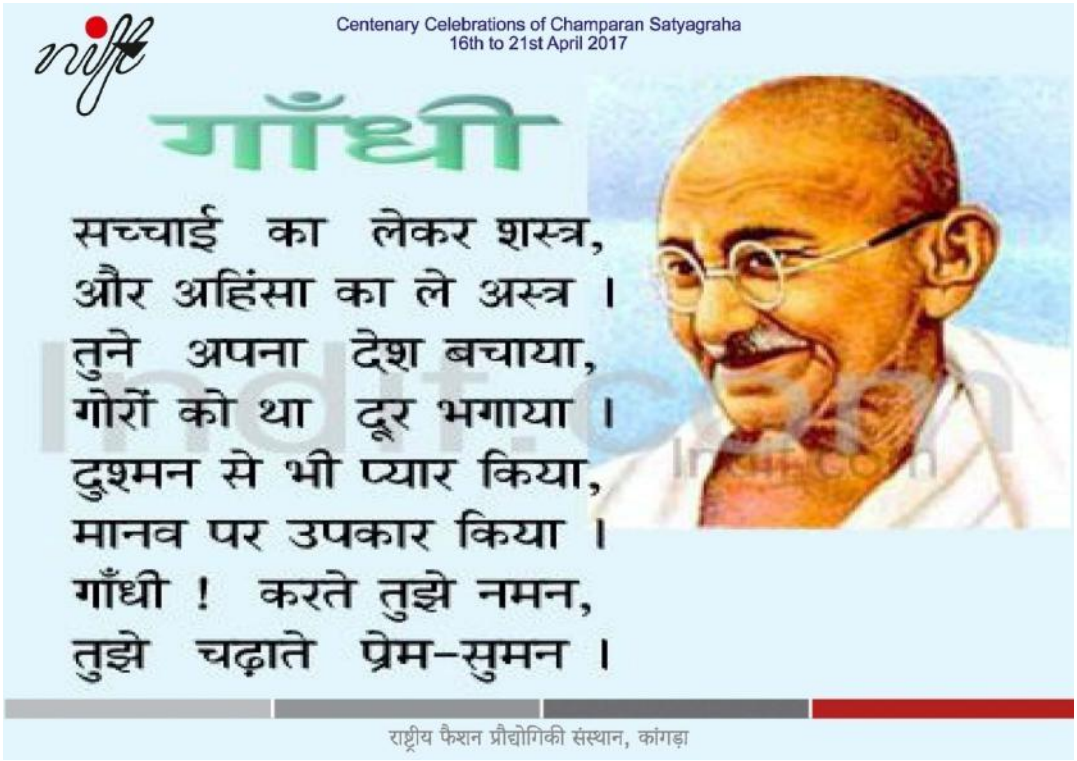

चित्र संख्या 02: छपाई करवाए गए पोस्टर का चित्र

चित्र संख्या 03: छपाई करवाए गए पोस्टर का चित्र

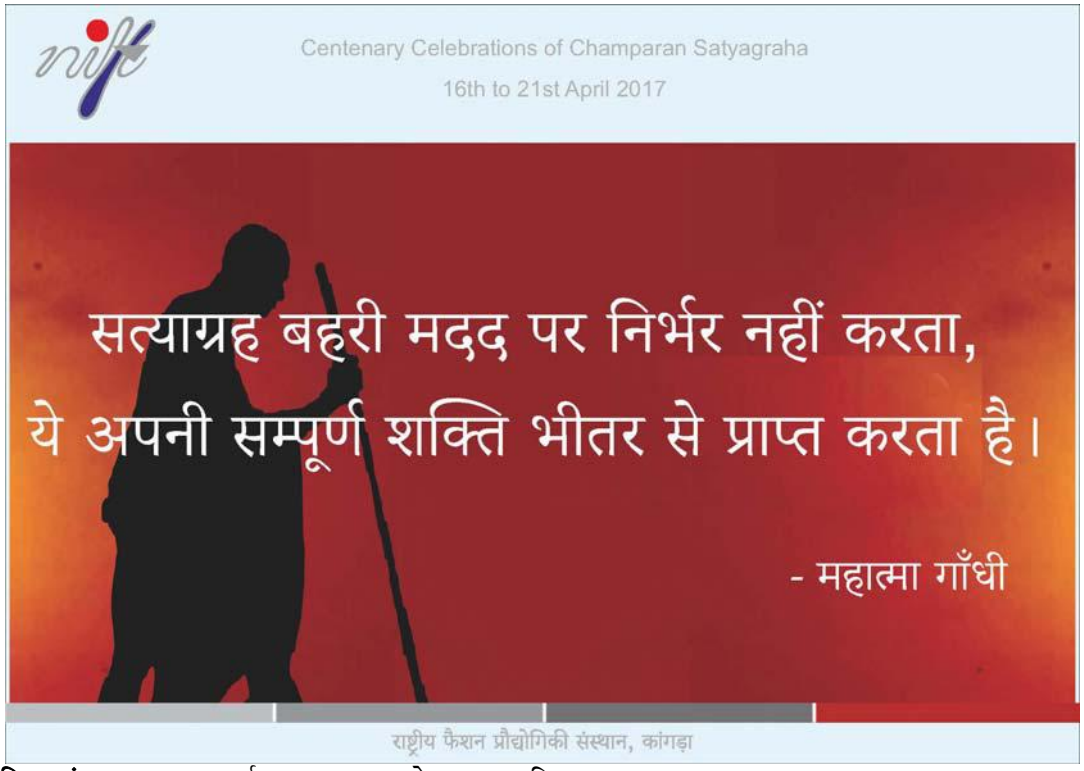

चित्र संख्या 04: छपाई करवाए गए पोस्टर का चित्र

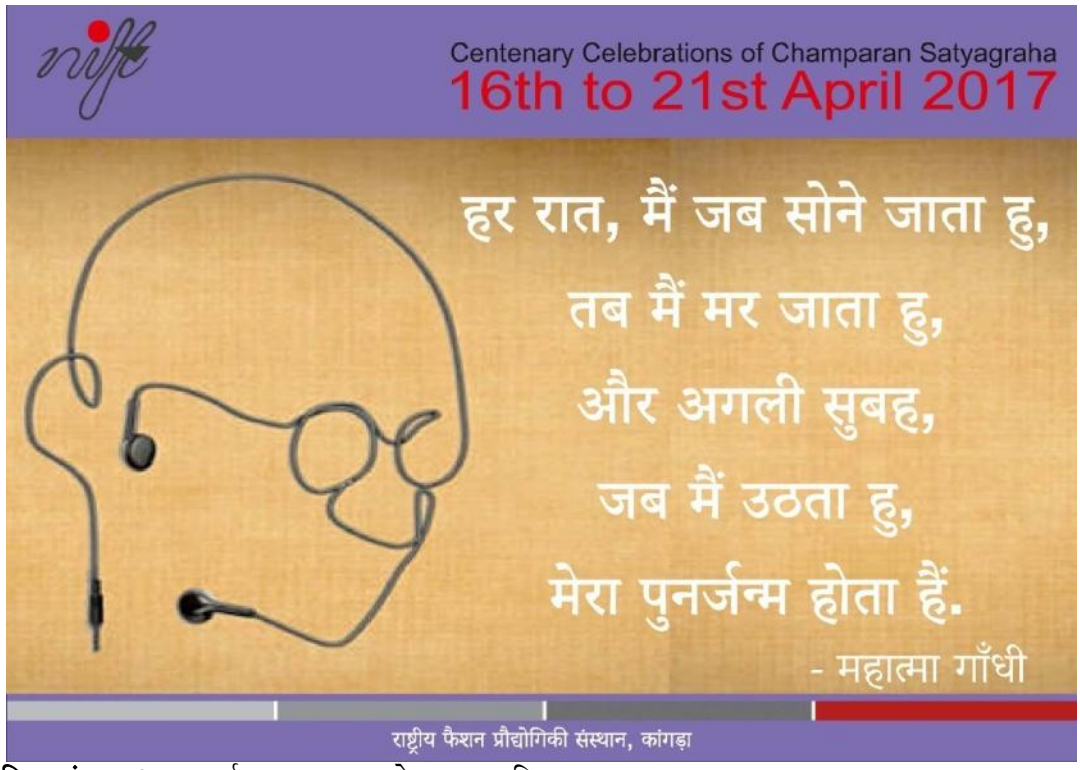

चित्र संख्या 05: छपाई करवाए गए पोस्टर का चित्र

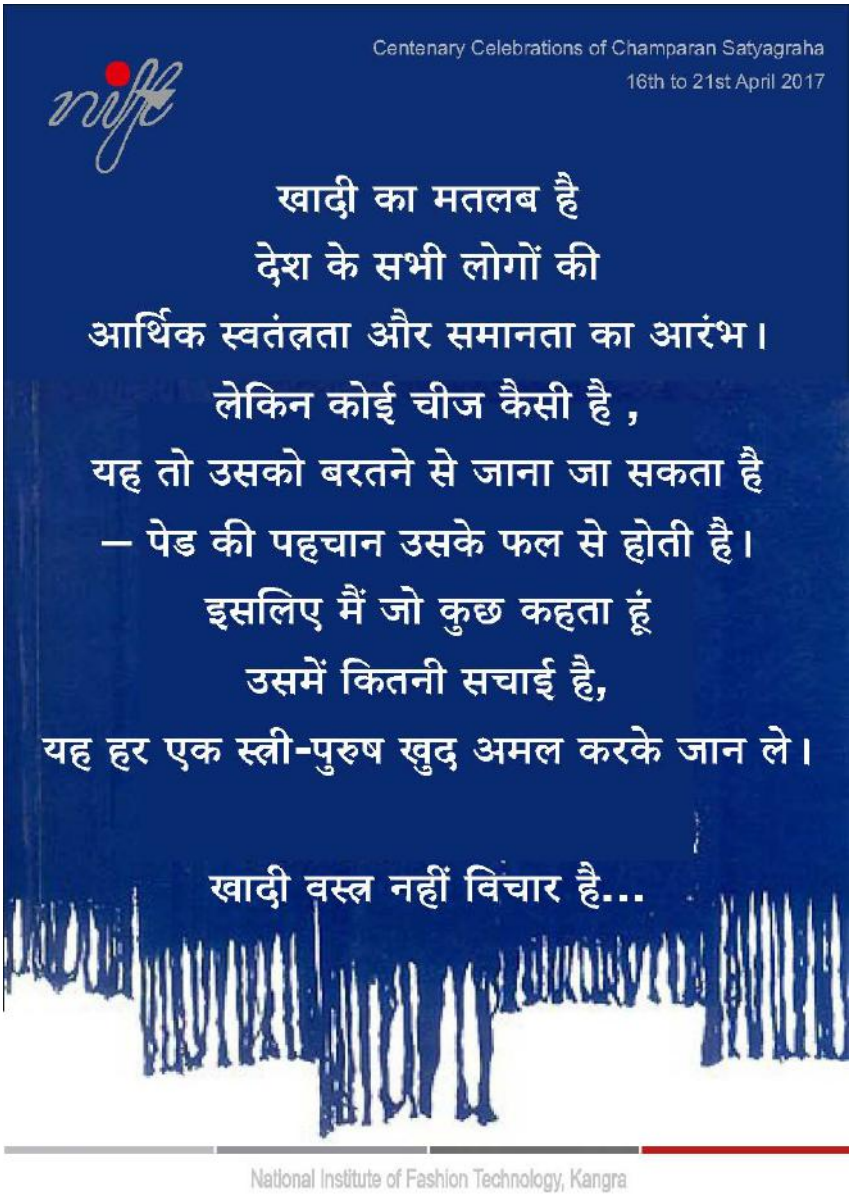

चित्र संख्या 05: छपाई करवाए गए पोस्टर का चित्र

2. A workshop on Indigo Surface embellishment on Leather (Date 16.04.2017):

दिनांक 16.04.2017 से 17.04.2017 एसेसरी डिजाइन के विद्यार्थियों के लिए चमडे से बनने वाली वस्तुओं हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसके डिजाइन एवं विषयवस्तु इंडिगो था। कार्यशाला की कुछ तस्वीरे नीचे दीं गई है

चित्र संख्या 07: कार्यशाला में कार्य करते छात्र

चित्र संख्या 08: कार्यशाला में कार्य करते छात्र

चित्र संख्या 09: कार्यशाला में कार्य करते छात्र

चित्र संख्या 10: कार्यशाला में कार्य करते छात्र

चित्र संख्या 11: कार्यशाला में कार्य करते छात्र

3. Exhibition on Leather product inspired by Indigo (Date 18-04-2017:

दिनांक 16.04.2017 से 17.04.2017 को चली एसेसरी डिजाइन के विद्यार्थियों के लिए चमडे से बनने वाली वस्तुओं हेतु कार्यशाला में किए गए कार्य की दिनांक 18.04.2017 को प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसकी कुछ तस्वीरे नींचे दी गई है

चित्र संख्या 12: प्रदर्शनी की तस्वीर

चित्र संख्या 13: प्रदर्शनी की तस्वीर

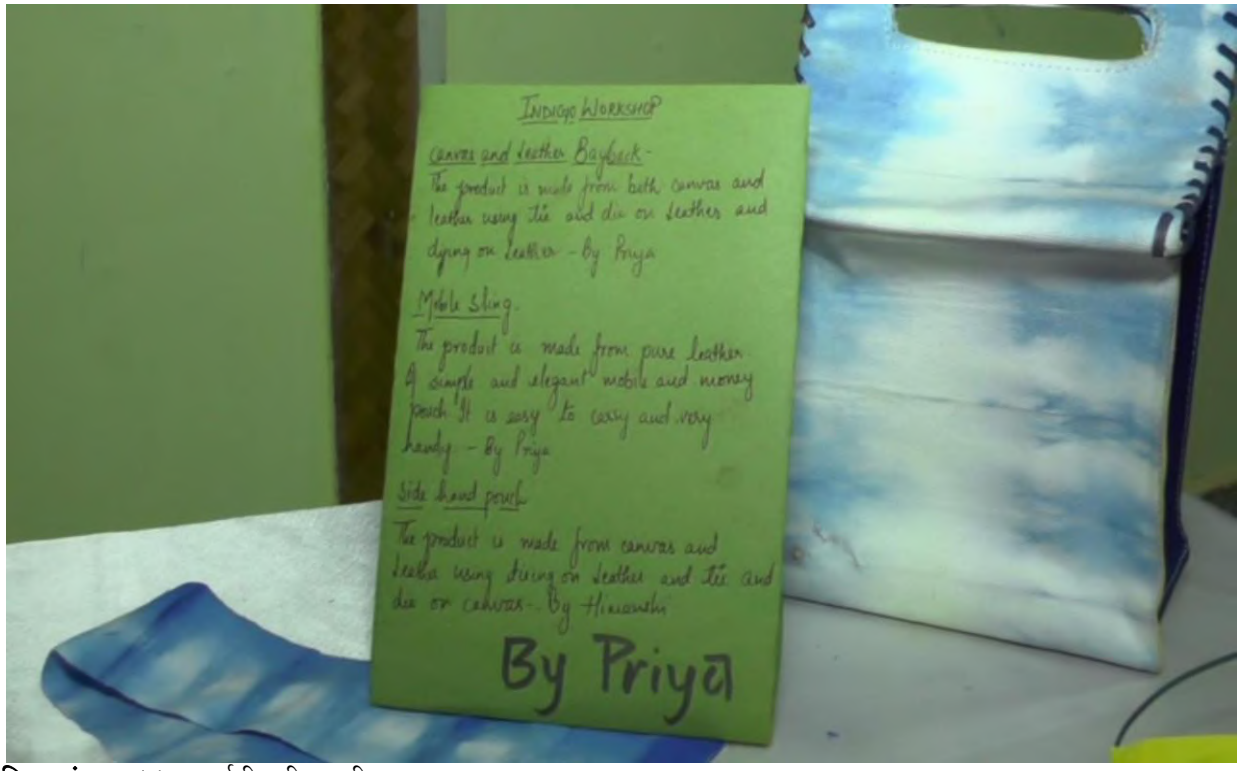

चित्र संख्या 14: प्रदर्शनी की तस्वीर

चित्र संख्या 15: प्रदर्शनी की तस्वीर

चित्र संख्या 16: प्रदर्शनी की तस्वीर

4. The plan for Indigo talk & workshop:"Indigo talk" conducted by Dr. Anjali Sood, Assistant Professor (Date 19.04.2017)

दिनांक 19.04.2017 से 20.04.2017 टैक्सटाइल डिजाइन के विद्यार्थियों के लिए टाई एण्ड डाई के द्वारा नीले रंग से बनने वाली परिधानों के डिजाइन को कपडों पर अलग-अलग प्रकार की नई डिजाइन बनाने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसके डिजाइन एवं विषयवस्तु इंडिगो और प्राकृतिक रंजक था। कार्यशाला की कुछ तस्वीरे नीचे दीं गई है

चित्र संख्या 17: कार्यशाला की कुछ तस्वीरे

चित्र संख्या 18: कार्यशाला की कुछ तस्वीरे

चित्र संख्या 19: कार्यशाला की कुछ तस्वीरे

चित्र संख्या 20: कार्यशाला की कुछ तस्वीरे

चित्र संख्या 21: कार्यशाला की कुछ तस्वीरे

चित्र संख्या 22: कार्यशाला की कुछ तस्वीरे

चित्र संख्या 23: कार्यशाला की कुछ तस्वीरे

चित्र संख्या 24: कार्यशाला की कुछ तस्वीरे

5. Exhibition on Leather product inspired by Indigo (Date 18-04-2017:

दिनांक 19.04.2017 से 20.04.2017 टैक्सटाइल डिजाइन के विद्यार्थियों के लिए टाई एण्ड डाई के द्वारा नीले रंग से बनने वाली परिधानों के डिजाइन को कपडों पर अलग-अलग प्रकार की नई डिजाइन बनाने के लिए कार्यशाला में किए गए कार्य की दिनांक 20.04.2017 को प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसकी कुछ तस्वीरे नींचे दी गई है

चित्र संख्या 25: प्रदर्शनी की तस्वीर

चित्र संख्या 26: प्रदर्शनी की तस्वीर

चित्र संख्या 27: प्रदर्शनी की तस्वीर

चित्र संख्या 28: प्रदर्शनी की तस्वीर

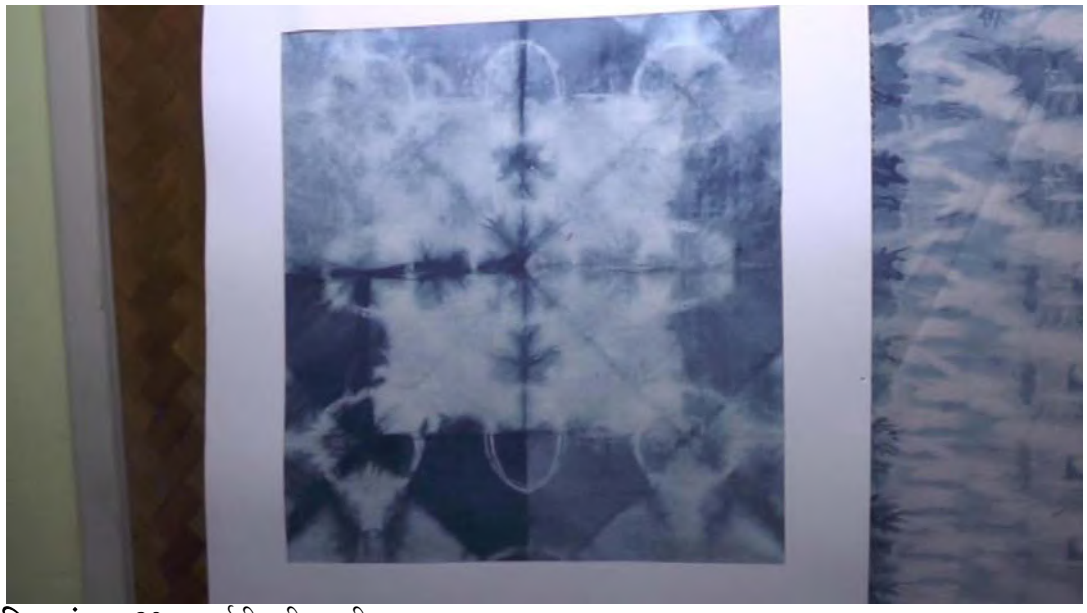

चित्र संख्या 29: प्रदर्शनी की तस्वीर

चित्र संख्या 30: प्रदर्शनी की तस्वीर

6. Presentation on Indigo Fashion and Trends (20-04-2017)

7. A Fashion Parade on Garments inspired by Indigo" (Date 20-04-2017:

दिनांक 20.04.2017 को फैशन डिजाइन की पाठ्यक्रम समन्वयक ने इंडिगो फैशन और रूझानों पर अपनी प्रस्तुति दी तथा विद्यार्थियों ने इंडिगो फैशन पर नए परिधानों की झलक फैशन परेड के माध्यम से दी जिसकी कुछ तस्वीरे नींचे दी गई है

चित्र संख्या 31: फैशन परेड की तस्वीरे

चित्र संख्या 32: फैशन परेड की तस्वीरे

चित्र संख्या 33: फैशन परेड की तस्वीरे

चित्र संख्या 34: फैशन परेड की तस्वीरे

चित्र संख्या 35: फैशन परेड की तस्वीरे

चित्र संख्या 36: फैशन परेड की तस्वीरे

चित्र संख्या 37: फैशन परेड की तस्वीरे

चित्र संख्या 38: फैशन परेड की तस्वीरे

चित्र संख्या 39: फैशन परेड की तस्वीरे

चित्र संख्या 40: फैशन परेड की तस्वीरे

चित्र संख्या 41: फैशन परेड की तस्वीरे

चित्र संख्या 42: फैशन परेड की तस्वीरे

8. Style Walk “Reinventing Indigo”

9. Valedictory & Street Play on Champaran Satyagrah"

दिनांक 21.04.2017 को फैशन कम्न्युकेशन के विद्यार्थियों ने इंडिगो फैशन पर नए परिधानों की झलक स्टाइल वॉक “रेनवेंटिंग इंडिगो” के माध्यम से दी।

इस अवसर पर कुछ विद्यार्थियों ने अन्य प्रकार के कार्यक्रम भी किए जिनकी कुछ तस्वीरे नींचे दी गई है

चित्र संख्या 43: नए परिधानों की झलक स्टाइल वॉक “रेनवेंटिंग इंडिगो” की तस्वीर

चित्र संख्या 44: नए परिधानों की झलक स्टाइल वॉक "रेनवेंटिंग इंडिगो" की तस्वीर

चित्र संख्या 45: नए परिधानों की झलक स्टाइल वॉक "रेनवेंटिंग इंडिगो" की तस्वीर

चित्र संख्या 46: नए परिधानों की झलक स्टाइल वॉक "रेनवेंटिंग इंडिगो" की तस्वीर

चित्र संख्या 47: नए परिधानों की झलक स्टाइल वॉक "रेनवेंटिंग इंडिगो" की तस्वीर

चित्र संख्या 48: नए परिधानों की झलक स्टाइल वॉक "रेनवेंटिंग इंडिगो" की तस्वीर

चित्र संख्या 49: नए परिधानों की झलक स्टाइल वॉक "रेनवेंटिंग इंडिगो" की तस्वीर

चित्र संख्या 50: नए परिधानों की झलक स्टाइल वॉक "रेनवेंटिंग इंडिगो" की तस्वीर

चित्र संख्या 51: नए परिधानों की झलक स्टाइल वॉक "रेनवेंटिंग इंडिगो" की तस्वीर

चित्र संख्या 52: नए परिधानों की झलक स्टाइल वॉक "रेनवेंटिंग इंडिगो" की तस्वीर

चित्र संख्या 53: नए परिधानों की झलक स्टाइल वॉक "रेनवेंटिंग इंडिगो" की तस्वीर

चित्र संख्या 54: कविता के माध्यम से चंपारण की उस दशा को बयान छात्रा

चित्र संख्या 55: कविता के माध्यम से चंपारण की उस दशा को बयान छात्रा

चित्र संख्या 56: डांस के माध्यम से चंपारण की उस दशा को दर्शाती छात्रा

चित्र संख्या 57: डांस के माध्यम से चंपारण की उस दशा को दर्शाती छात्रा

चित्र संख्या 58: डांस के माध्यम से चंपारण की उस दशा को दर्शाती छात्रा

छात्र विकास गतिविधि सेल द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट

राष्ट्रीय फैशन टैक्नालॉजी संस्थान

निफ्ट कैंपस, छेब, कांगडा हिमाचल प्रदेश-176001

फोन न:01892-263872 फैक्स न.: 01892-260872

ई मेल: sdac.kangra@nift.ac.in